

संस्करण : ग्वालियर

वर्ष : 03

अंक : 65

पृष्ठ : 6

मूल्य : 2.00

रविवार,05 अक्टूबर 2025

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज ,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 मुख्यमंत्री से दिवाली से पहले बोनस देने की मांग

4 स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

5 तेरे इश्क में का टीजर रिलीज होते ही छाया, फैस

100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य हो: सीएम



लखनऊ (संवाददाता)। भूजल के स्तर को बनाये रखने के लिये वर्षा जल का संचयन की आवश्यकता जताते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

अनिवार्य किया जाना चाहिये। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में योगी ने कहा श जल संकट आज हमारी सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है। चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप वर्षा जल को रोककर

धीरे-धीरे उसे भूमि में समाहित होने देते हैं। यह केवल स्थानीय प्राथमिकता नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा, चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप केवल पानी रोकने की व्यवस्था नहीं बल्कि समेकित जल प्रबन्धन है, जो बड़े बांधों की

तुलना में यह काफी किफायती है। उन्होंने निर्देशित किया कि एक पेड़ मां के नामश की तर्ज पर जनांदोलन बनाते हुए चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश विभिन्न भागों स्थानीयध्वरसाती नदीध नालों में विभाग द्वारा अद्यतन 6,448 चेक डैमों का निर्माण किया जा चुका है। प्रत्येक चेकडैम से औसतन 20 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता विकसित होती है। इस प्रकार निर्मित चेकडैमों से कुल 1,28,960 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजित हुई है और हर साल 10 हजार हेक्टेयर मीटर से अधिक भूजल रिचार्ज हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि इन प्रयासों से अन्नदाता किसान वर्ष में दो से तीन फसल लेने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन और ग्राउंड वाटर रिचार्जिंग की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम उठा रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक 1,002 चेकडैमों की डी-सिलिटिंग और

मरम्मत कर उनकी क्षमता में वृद्धि की गई है। इसी तरह प्रदेश के 1 से 5 हेक्टेयर के 16,610 तालाबों में से 1,343 का पुनर्विकास और जीर्णोद्धार किया गया है, वहीं वर्ष 2017-2025 तक 6192 ब्लास्टकूप के माध्यम से 18576 हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित हुई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बरसात से पहले यानी 1 अप्रैल से 15 जून तक कुम्हारों को तालाब से मुफ्त मिट्टी निकालने की छूट दी जाए, ताकि तालाब रिचार्ज के लिए तैयार हो सकें। बरसात के बाद इन्हें मत्स्य पालन और सिंचाई उत्पादन के लिए उपयोग में लाकर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं। रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए यह कदम निर्णायक साबित होगा।

पंचायतों को 361 और निकायों को 333 समेत 986 करोड़ के बजट को सीएम की मंजूरी



देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने त्रिस्तरीय पंचायतों के गठन के बाद शुक्रवार को इनके 361.25 करोड़ और निकायों को 333 करोड़ रुपये बजट को स्वीकृति दे दी। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 986 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री धामी ने चंपावत की बाराकोट तहसील के अनावसीय भवन निर्माण कार्य के लिए 3.03 करोड़, हरिद्वार के ऑफिसर्स कॉलोनी में श्रेणी-05 के दो शासकीय आवासों के निर्माण के लिए 1.86 करोड़, पौड़ी में मीटिंग हॉल एवं अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के लिए 2.08 करोड़, चम्पावत के लोहाघाट बस स्टेशन में कार्यालय भवन, कार्यशाला और स्टोर कक्ष निर्माण

कार्य के लिए 7.16 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति दी। सीएम ने पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर समस्त जिला पंचायतों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की तृतीय किस्त के लिए 83.25 करोड़, क्षेत्र पंचायतों को द्वितीय छमाही किस्त के लिए 78 करोड़ और ग्राम पंचायतों को द्वितीय छमाही किस्त के लिए 200 करोड़ की धनराशि अवमुक्त करने का अनुमोदन दिया। पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर शहरी स्थानीय निकायों को वित्तीय वर्ष 2025-26 की तृतीय त्रैमासिक किस्त के लिए 333 करोड़ और तीन चैर-निर्वाचित निकायों को द्वितीय छमाही के लिए तीन करोड़ की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

नक्सलियों के लिए अमित शाह का सख्त संदेश : आओ, हथियार डाल दो, आकर्षक नीति तैयार है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि छत्तीसगढ़ में नक्सली आंदोलन पर लगाम लगाने के प्रयासों के तहत सरकार ने एक लाभदायक आत्मसमर्पण नीति तैयार की है। नक्सलियों से बातचीत की माँग पर शाह ने कहा कि इस बारे में बात करने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि केंद्र और छत्तीसगढ़ की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बस्तर सहित पूरे नक्सल प्रभावित क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर में शांति भंग करने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि राज्य की मशीनरी इसका कड़ा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि इस देश की धरती से नक्सलवाद को अलविदा कहने के लिए 31 मार्च, 2026 की तारीख तय की गई है। शाह ने यहाँ बस्तर दशहरा समारोह में एक सभा को संबोधित करते

हुए कहा कि कुछ लोग (नक्सलियों से) बातचीत की बात करते हैं। मैं एक बार



फिर स्पष्ट कर देना चाहता हूँ: हमारी दोनों सरकारें, छत्तीसगढ़ सरकार और केंद्र सरकार, बस्तर और पूरे नक्सली क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित हैं। इसमें बात करने की क्या बात है? हमने एक बहुत ही आकर्षक आत्मसमर्पण नीति बनाई है। आइए, हथियार डाल दीजिए। शाह ने साफ तौर पर कहा कि अगर आप हथियार उठाएँगे और बस्तर की शांति भंग करने की कोशिश करेंगे, तो हमारे सशस्त्र बल,

सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस जवाब देंगे। 31 मार्च, 2026 इस देश की धरती से नक्सलवाद को अलविदा कहने के लिए तय किया गया है। स्वदेशी अपनाने के आह्वान की वकालत करते हुए, शाह ने कहा, अगर 140 करोड़ की आबादी स्वदेशी के संकल्प को अपना ले, तो हमारे भारत को दुनिया की शीर्ष आर्थिक व्यवस्था बनने से कोई नहीं रोक सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में जीएसटी दरों में कमी करके एक बड़ी राहत प्रदान की है। अगर हम स्वदेशी की संस्कृति को अपनाएँ, तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था को बहुत गति मिलेगी। शाह ने बस्तर के युवाओं से नक्सल आंदोलन में शामिल न होने की सलाह देते हुए हिंसा का रास्ता छोड़ने की अपील की।



नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार पर विशेष जोर देते हुए 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का शनिवार को अनावरण किया। पीएम मोदी ने 60,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक केंद्र प्रायोजित योजना पीएम-सेतु (प्रधानमंत्री कौशल विकास एवं रोजगार योग्यता परिवर्तन उन्नत

आईटीआई के जरिये) की शुरूआत की। इस योजना में 1,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को हब-एंड-स्पोक मॉडल में उन्नत करने की परिकल्पना की गई है जिसमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल हैं। हब एंड स्पोक मॉडल एक वितरण प्रणाली है जो साइकिल के पहिये की तरह काम

करती है जिसमें एक हब (केंद्र) होता है जो सभी स्पोक (छोटे, सहायक स्थानों) को आपस में जोड़ता है। प्रत्येक हब औसतन चार स्पोक से जुड़ा होगा जिससे उन्नत बुनियादी ढांचे, आधुनिक उद्यमों, डिजिटल शिक्षण प्रणालियों और इनक्यूबेशन सुविधाओं से सुसज्जित संकुलों का निर्माण होगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा, सामूहिक रूप से पीएम-सेतु भारत के आईटीआई पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से परिभाषित करेगा, इसे सरकारी स्वामित्व वाला लेकिन उद्योग-प्रबंधित बनाएगा और इसमें विश्व बैंक एवं एशियाई विकास बैंक से वैश्विक सह-वित्तपोषण सहायता भी मिलेगी। बयान के मुताबिक योजना के कार्यान्वयन के पहले चरण में बिहार के पटना और

दरभंगा में आईटीआई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसमें कहा गया कि कार्यक्रम का विशेष बल बिहार में परिवर्तनकारी परियोजनाओं पर होगा जो राज्य की समृद्ध विरासत और युवा जनसांख्यिकी को प्रतिबिंबित करेगा। मोदी ने बिहार में संशोधित मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना की भी शुरूआत की जिसके तहत हर साल लाभार्थी पांच लाख स्नातकों को दो साल तक 1,000-1,000 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा और मुफ्त कौशल प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा। उन्होंने नए सिरे से तैयार की गई बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की भी शुरूआत की जिसके तहत चार लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

संभल में अवैध मस्जिद पर चलेगा बुलडोजर, हाई कोर्ट ने रद्द की कमेटी की मांग

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद

उच्च न्यायालय ने संभल जिले में कथित तौर पर तालाब की जमीन पर बनी एक मस्जिद को दहाए जाने के खिलाफ दायर एक रिट याचिका शनिवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने मस्जिद स्थिति की एक याचिका पर यह आदेश पारित किया। याचिकाकर्ता ने कहा कि स्थानीय मुस्लिम समुदाय 2009 से जिले के गौसुलबारा रावण बुजुर्ग इलाके में स्थित मस्जिद में



मस्जिद दहाए जाने का प्रशासनिक आदेश पारित करने से पहले उन्हें कोई उचित नोटिस या सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। मामले की तत्काल

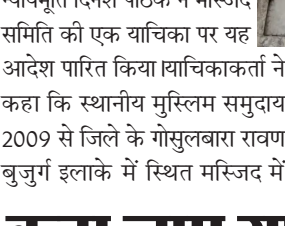
सुनवाई की गई क्योंकि याचिका में इस बात पर जोर दिया गया था कि मस्जिद दहाने के प्रशासनिक आदेश के मद्देनजर दशहरा अवकाश के दौरान सुनवाई की जरूरत है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि दो सितंबर को अधिकारियों ने कथित तौर पर

मस्जिद दहाने का आदेश पारित किया था। याचिका में दावा किया गया था कि दो अक्टूबर तक याचिकाकर्ता को आदेश की प्रति नहीं दी गई है। उन्होंने दावा किया कि लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कब्जा करना एक ऐसा मामला है जिसने हमें दुनिया भर में बदनाम किया है, जिसका श्रेष्ठ भाजपा को ही जाता है। कांग्रेस नेता ने कहा, स्पष्ट बोलने के लिए राहुल जी पर हमला करने की यह भाजपा के तंत्र की एक गुलानी, घिसी-पिटी और गुमराह करने वाली रणनीति है। उनके लिए यही बेहतर होगा कि वे राहुल गांधी के बयानों पर बारीकी से ध्यान दें और उन गंभीर खामियों को सुधारने के लिए कार्रवाई करें जिन्हें वह 2014 से उजागर कर रहे हैं।

कोलंबिया में कहा जाए या कानपुर में, सच यही है कि भाजपा सरकार आर्थिक मोर्चे पर विफल रही: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने

राहुल गांधी पर भाजपा के हमले को लेकर शनिवार को पलटवार करते हुए कहा कि चाहे कोलंबिया में बोला जाए या कानपुर में बोला जाए, लेकिन सच्चाई यही है कि भाजपा की सरकार आर्थिक मोर्चे पर विफल रही और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कब्जे की उसकी कोशिश के कारण दुनिया भर में भारत की बदनामी हो रही है। पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री बनने से पहले और उसके बाद कई वर्षों तक



करने के लिए किया, बल्कि भारत और उसके लोगों का अपमान भी किया। भाजपा ने कोलंबिया में दिए बयान के लिए शुक्रवार को राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला था और आरोप लगाया था

कि वह देश में भारत विरोधी ताकतों का एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए उनके झंडाबरदार बन गए हैं। वेणुगोपाल ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा की आदत अपनी विफलताओं के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराने की है, जिससे हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी उठानी पड़ी है। चाहे यह कोलंबिया में कहा जाए या कानपुर में, वास्तविकता यही है कि भारत की सरकार हमारी अर्थव्यवस्था की विशाल क्षमता का दोहन करने में विफल रही है और हमारे जन सांख्यिकीय लाभांश को नष्ट कर रही

है। हमारी सरकार छठ पूजा के दौरान किसी भी तरह की समस्या से निपटने के लिए तैयार है। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस साल राष्ट्रीय राजधानी में छठ पूजा भव्य होगी और यमुना नदी के दोनों किनारों पर व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि घाटों की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि छठ पूजा उत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए, इस वर्ष हम इसके लिए एक विस्तृत योजना और तैयारियाँ करेंगे। नदी के दोनों किनारों पर छठ पूजा की व्यवस्था की जाएगी। घाटों की सफाई पर ध्यान दिया जाएगा।

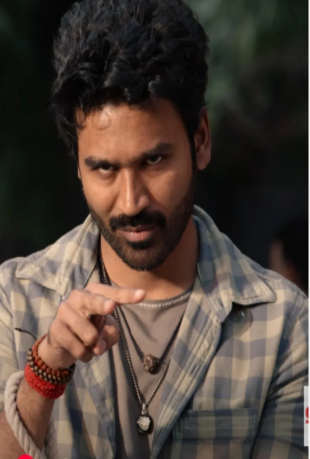
यमुना के दोनों किनारों पर बनेंगे 1000 घाट: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एएनआई को बताया कि छठ पूजा यमुना घाटों पर मनाई जाएगी और हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं कि

इस वर्ष दिल्लीवासियों को यह सुंदर और ऐतिहासिक छठ उत्सव मनाने का अवसर मिले। उन्होंने आगे कहा कि हम पल्ला से लेकर यमुना नदी के घनी आबादी वाले इलाके ओखला के आखिरी कोने तक छठ घाट बनाएंगे। रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि सरकार उत्सव के लिए लगभग 1000 छठ घाट बनाएगी और इस उत्सव की सफा-सफाई और सभी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की होगी। उन्होंने आगे कहा कि छठ के कारण यमुना का गंदी नहीं होगी, यह स्वच्छता का एक पवित्र त्योहार है और यह लोगों को प्रकृति से जोड़ता



नदी का निरीक्षण किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एएनआई को बताया कि छठ पूजा यमुना घाटों पर मनाई जाएगी और हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं कि



मध्य प्रदेश सरकार ने बच्चों की मौत के बाद किया बड़ा ऐलान, पूरे प्रदेश में कर्फूसिंग की बिक्री पर लगाया बैन

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में कफ सिरप पीने से हुई बच्चों की मौत के मामले में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया है और इस हादसे के लिए जिम्मेदार कोलिट्रफ कफ सिरप को पूरे प्रदेश में प्रतिबंधित कर दिया है। दरअसल पिछले दिनों छिंदवाड़ा जिले में कई बच्चे बुखार के साथ सर्दी-खांसी से पीड़ित थे। इन बच्चों में से 9 की बाद में उपचार के दौरान मौत हो गई और यह कहा गया कि बच्चों की मौत की बड़ी वजह कफ सिरप है। इसी के आधार पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि छिंदवाड़ा में कोलिट्रफ सिरप के कारण हुई बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस सिरप की बिक्री को पूरे मध्य प्रदेश में बैन कर दिया गया है। सिरप को बनाने वाली कंपनी के अन्य प्रोडक्ट की बिक्री पर भी बैन लगाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा है कि सिरप बनाने वाली फैक्ट्री कांचीपुरम में है, इसलिए घटना के संज्ञान में आने के बाद राज्य सरकार ने रॉपलानाडु सरकार को जांच के लिए कहा था। आज सुबह जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई। रिपोर्ट के आधार पर कड़ा एक्शन लिया गया है।

ट्रक ने सड़क किनारे खड़े कार सवारों को कुचला, तीन की दर्दनाक मौत

पीलीभीत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले में शनिवार सुबह सड़क दुर्घटना में 3 लोगों की मौत हो गई जबकि एक महिला की हालत गंभीर है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि तीनों लोग कार से दिल्ली से काठमांडू जा रहे थे, इस दौरान रास्ते में कार का टायर पंचर होने पर वे सड़क किनारे खड़े थे, तभी तेज रफ्तार ट्रक उन्हें रौंदता हुआ निकल गया। बीसलपुर कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला ने बताया कि बीसलपुर बरेली मार्ग पर स्थित भड़रिया मोड़ पर सड़क किनारे शनिवार तड़के लगभग 5 बजे यह दुर्घटना हुई। उन्होंने बताया कि 2 लोगों की मौत दुर्घटनास्थल पर ही हो गई जबकि तीसरे व्यक्ति ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के खैरदा पार्क के निवासी कर के मालिक गणेश कु मार (25) और नेपाल के काठमांडू के रहने वाले कार चालक निखिल (19) के रूप में हुई है जबकि तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

महाराष्ट्र-7 साल की बच्ची का रेप-मर्डर, आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी में 33 साल के एक पावरफुल मजदूर ने पड़ोस में रहने वाली सात साल की एक बच्ची के साथ रेप किया और गला घोटकर उसकी हत्या कर दी। फिर बच्ची के शव को एक बोरे में बंद करके भाग गया। घटना 1 अक्टूबर की है। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। आरोपी ने इसी पैटर्न पर साल 2023 में रेप-मर्डर की एक और घटना को अंजाम दिया था। तब उसने भिवंडी में ही छह साल की बच्ची के साथ हैवानियत की और फिर उसकी जान ले ली थी। उस मामले में वह जेल में था। दो महीने पहले अदालत से पेशी के दौरान भाग गया था। पुलिस ने उसे 1 अक्टूबर को घटनास्थल से दो किलोमीटर दूर फिर से गिरफ्तार कर लिया। वह घटना को अंजाम देने के बाद बिहार के मधुबनी स्थित अपने घर भागने की कोशिश कर रहा था।

लखनऊ जं. स्टेशन पर बोटल क्रशर मशीन का उपयोग करते यात्री



गोरखपुर, भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के चौथे दिन 04 अक्टूबर, 2025 को मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों एवं रेलवे कालोनियों में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्टेशन परिसर, कार्यालयों, प्रतीक्षालयों तथा प्लेटफार्मों की विशेष साफ-सफाई की गई। यात्रियों एवं



पृथक्कीकरण हेतु अलग-अलग कलर के डस्टबिन का प्रावधान किया गया। प्रमुख स्टेशनों पर लगे बोटल क्रशर मशीन कार्यरत है या नही इसकी जाँच की गई एवं यात्रियों को इसका उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। स्टेशनों पर प्रतीक्षालय, प्रसाधन, प्लेटफार्मों, वाटर बूथ एवं डेज्ज की सफाई की गई। वाराणसी मंडल के आजमगढ़, वाराणसी सिटी, बनारस, भटनी, बेलथरा रोड, बलिया, छपरा, देवरिया



स्वच्छता स्लोगन के साथ जागरूकता रैली निकालकर प्रतीक्षालयों, कार्यालयों तथा चिन्हित स्थानों की सफाई की गई। इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों के साथ वाजपुर, पंतनगर, किच्छा, गुलरभोज, रावतपुर, कल्यानपुर, फतेहगढ़, कन्नोज आदि सभी छोटे स्टेशनों पर सफाई की गई एवं सफाई से सम्बन्धित उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई तथा मशीनों की जाँच गई। यात्रियों एवं कर्मचारियों को यात्री

सक्षिप्त समाचार

पत्नी ने पति का ब्लेड से काटा प्राइवेट

पार्ट गम्भीर हालत में अलीगढ़ को रेफर

गुन्नौर। मामूली अनबन के बाद पत्नी ने रात के समय पति का ब्लेड से प्राइवेट पार्ट काट दिया गंभीर हालत में पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया हालत गंभीर होने पर अलीगढ़ को रेफर कर दिया गया। गुन्नौर के दौलतपुर गांव निवासी राजू की शादी पांच ममाह पूर्व जनपद बदायूं के सहसवान निवासी युवती के साथ हुई थी। बीती रात दोनों में किसी बात को लेकर कहा सुनी होने लगी बाद में पति भी सो गया रात किसी समय पत्नी ने ब्लेड से सोते समय राजू का प्राइवेट पार्ट काट दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में पहले राजू को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से उसकी हालत गंभीर होने के कारण अलीगढ़ को रेफर कर दिया गया।



नगर पालिका परिषद द्वारा गृहकर वृद्धि

के खिलाफ मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

सम्भल। समाज हित संरक्षण समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने नगर पालिका द्वारा गृह कर वृद्धि के खिलाफ मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन अधिशासी अधिकारी को दिया। शनिवार को



समाज हित संरक्षण समिति के बैनर तले एक ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री को अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को दिया गया जिसमें कहा गया है कि नगर पालिका के अंतर्गत मकानों दुकानों का गृह कर पांच गुना से भी अधिक बढ़ाया गया है जो न्याय संगत नहीं है आगे कहा गया है कि उक्त बढ़ोतरी मकान दुकान स्वामियों के हित में नहीं है। गृह कर में इतनी अधिक बढ़ोतरी जनता के हित में नहीं है ना ही यह न्याय संगत है। मांग करते हुए कहा गया कि गृह कर में बढ़ोतरी वापस ली जाए तथा वैधानिक एवं न्याय संगत मामूली बढ़ोतरी की जाए जिससे जनता को राहत मिल सके ज्ञापन देने वालों में महंत भगवान दास शर्मा संजीव सहारा राजेंद्र सिंह प्रेमपाल शर्मा चंद्रप्रकाश एडवोकेट प्रमोद सैनी महिपाल सिंह सभासद फुरकान आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने टूटे हुए पांच परिवारों को

सुलह समझौते से फिर से मिलाया

बहजोई/सम्भल। शनिवार को पुलिस अधीक्षक के के बिस्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग सेल प्रमारी डाक्टर रकम पाल सिंह व उपनिरीक्षक महेश गंगवार की देखरेख में पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में संपन्न हुई जिसमें पति-पत्नी के मध्य हुए आपसी विवादों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास काउंसलरो द्वारा किया गया जहां कुल 121 पत्रावली सुनकर 10 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तो वहीं 5 परिवारों को मिलाया गया तथा 5 पत्रावली न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट पूनम अरोरा श्वेता गुप्ता बबीता शर्मा सीमा आर्य कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत ज्योति आदि लोग उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर कार्य पुनः प्रारंभ कराने के लिए

सौंपा ज्ञापन विकास कार्य रोकने का आरोप

चन्दौसी सम्भल। अमृत योजना के तहत रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्य एक साल बीतने के बाद भी अधर में लटका हुआ हैं। एक साल में प्रस्तावित कोई भी काम पूरा नहीं हो पाया है। कार्यदायी संस्था के पास पर्याप्त मजदूर न होने की वजह से समस्या बनी हुई है। जिम्मेदार भी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अखिल भारतीय युवा उद्योग व्यापार मंडल में नगर अध्यक्ष अनुज



वार्ष्णेय अन्नू के अगुवाई में स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से मंडल प्रबंधक को एक ज्ञापन सौंपा। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने बताया कि चंदौसी रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत कायाकल्प हो रहा है। जिसमें संयुक्त प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने के लिए लॉज, फुट ओवरब्रिज, स्टेशन के फ्रंट का विकास व सौंदर्यीकरण, लिफ्ट व स्वचालित सीढ़ी, प्लेटफॉर्म का उच्चीकरण आदि शामिल है। करीब 18 करोड़ रुपये इस पूरे काम में खर्च होंगे। कार्यदायी संस्था ने नवंबर में स्टेशन का कायाकल्प शुरू किया। करीब एक साल हो चुका है, लेकिन कोई भी प्रस्तावित काम पूरा नहीं हो पाया है। मात्र स्टेशन पर ३० प्रतिशत ही कार्य पूरा हो पाया है। प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाना, स्वचालित सीढ़ियां, वेंटिंग रूम, स्टेशन के फ्रंट और परिसर के सौंदर्यीकरण का काम अधर में लटका है। शुरुआत से ही कार्य को गति नहीं मिली। सालभर में कई बार काम बंद हुआ। कभी मजदूर तो कभी निर्माण सामग्री कार्य में बाधा बनी है। डीआरएम महोदय ने भी कई बार अपने निरीक्षण में जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। ठेकेदार को फटकार भी लगाई, लेकिन काम की स्थिति ऐसी बनी रही। ऐसे में कायाकल्प के लिए की गई टूट फूट से यहां, एक ओर यात्रियों को परेशानी होती है। वहीं स्टेशन पर कार्यरत कर्मचारी और अधिकारी भी परेशान है।

एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित

कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, रेलवे प्रशासन द्वार आगामी दीपावली एवं छठ त्रौहारों पर यात्रियों की मांग पर 05033/05034 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस-बढ़नी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन बढ़नी से 09 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को तथा बान्द्रा टर्मिनस से 11 अक्टूबर से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को 08 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05033 बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस बढ़नी-बान्द्रा टर्मिनस साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 09 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को बढ़नी से 21.30 बजे प्रस्थान कर बलरामपुर से 22.45 बजे, गोंडा से 23.48 बजे, दूसरे दिन बादशाहनगर से 02.13 बजे, ऐशबाग से 03.05 बजे, कानपुर सेंट्रल से 05.25 बजे, इटावा से 07.35 बजे, दूधडला से 09.24 बजे, ईदगाह आगरा से 10.16 बजे, बयाना से 12.42 बजे, कोटा से 15.40 बजे, रत्नमग से 19.30 बजे, तीसरे दिन बड़ोदरा से 00.10 बजे, सूरत से 02.32 बजे, बलसाड से 03.27 बजे, वापी से 03.48 बजे, बोरीवली से 05.24 ब्रेटकर बांद्रा टर्मिनस 06.30 बजे पहुँचेंगी। वापसी यात्रा में 05034 बान्द्रा टर्मिनस-बढ़नी साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 11 अक्टूबर से 29 नवम्बर, 2025 तक प्रत्येक शनिवार को बान्द्रा टर्मिनस से 09.30 बजे प्रस्थान कर बोरीवली से 10.07 बजे, वापी से 12.22 बजे, वलसाड से 12.54 बजे, सूरत से 14.05 बजे, वडोदरा से 15.55 बजे, रत्नमग से 20.25 बजे, दूसरे दिन कोटा से 01.10 बजे, बयाना से 04.50 बजे, ईदगाह आगरा से 07.04 बजे, दूधडला से 09.07 बजे, इटावा से 10.40 बजे, कानपुर सेंट्रल से 14.05 बजे, ऐशबाग से 15.55 बजे, बादशाहनगर से 16.27 बजे, गोंडा से 19.50 बजे तथा बलरामपुर 20.50 ब्रेटकर बढ़नी 22.15 बजे पहुँचेंगी। इस गाड़ी में, साधारण द्वितीय श्रेणी के 09, शयनयान श्रेणी के 09 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी को सौंपा चार सूत्रीय ज्ञापन

गुन्नौर। शनिवार को गुन्नौर बार वेलफेयर एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश बर्मा को जिलाधिकारी के नाम 4 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में अधिवक्ताओं ने शासन देशानुसार वर्तमान रियल खतौनी में प्रत्येक खाते के खातेदारों के अंशो का निर्धारण करते समय अधिकतम खातों पर अंश गलत दर्ज किये गये है। जिस कारण खातेदारों की अत्याधिक असुविधा का सामना करना पड रहा है जिस कारण विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसलिये सही एवं शुद्ध स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसलिये सही एवं शुद्ध अंशो का निर्धारण किया जाना आवश्यक है। प्रत्येक खातों का अंश सही कराया जाये धारा 24 उ० प्र० रा० संहिता 2006 का वाद के न्यायालय में वाद दर्ज करने के उपरान्त पत्रावली क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक के पास कच्चे डिपे सिमांकन के लिये जाती है। जिसे क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक समय सीमा के अन्दर के न्यायालय में दाखिल नहीं करते। समय अवधि में पत्रावली न्यायालय में जमा करायी जावे। बंधक वाली नामान्तण पत्रावलियों में विक्रेता से शपथ पत्र लेकर अगर उसके पास शेष भूमि रह जाती है। तो ऐसी नामान्तरण पत्रावली की दाखिल खारिज करायी जाये। अधिवक्ताओं पर दर्ज किये जा रहे फर्जी मुकदमों को रोका जाये तथा दर्ज मुकदमों की निस्पक्षता के साथ जांच कारकर खत्म किया जाये। जिससे अधिवक्ता समाज में रोष व्याप्त है। उपरोक्त बिन्दुओं को आवश्यक के लिये कार्यवाही की निर्देशित करें। अन्यथा वार वेलफेयर गुन्नौर आन्दोलन के लिये वाध्य होगी जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

एमजीएम पीजी कॉलेज में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

सम्भल। शनिवार को मिशन शक्ति अभियान फेज 5 के अंतर्गत एम.जी.एम.(पी.जी.)कॉलेज, सम्भल में एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसका विषय महिला सशक्तिकरण रहाद्य इसमें प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. योगेंद्र सिंह जी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे इस तरह की प्रतियोगिताओं में भाग लें ताकि आपका मनोबल बढे और आप आगे भी इस तरह की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार रहें। उन्होंने छात्राओं से सजग रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वे मिशन शक्ति का उद्देश्य समझे।उनके सशक्तिकरण के लिए ही इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं द्यकार्यक्रम की संयोजिका डॉ. प्रीति सिंह ने छात्र- छात्राओं के बनाए गए पोस्टर चेक किए और निर्णय किया कि प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान पर कौन से छात्र छात्राएं रहेंगे। प्रतियोगिता में 19 छात्राओं व 01 छात्र ने प्रतिभाग किया। प्रथम स्थान पर फारेहा अंजार, द्वितीय स्थान पर यश भारती तृतीय स्थान पर तपस्या व सात्वना पुरस्कार पर आतिया जहरा रहीं। इसमें प्रो. डॉ. निरंकर सिंह व अन्य कॉलेज के शिक्षक उपस्थित रहे। आभार मिशन शक्ति की कार्यक्रम प्रमारी डॉ रीतू भटनागर ने किया।

2025 तक प्रत्येक मंगलवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ त्रौहारों पर यात्रियों की मांग पर 05543/05544 मुजफ्फरपुर-श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हृब्बल्लि जं.-मुजफ्फरपुर साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन मुजफ्फरपुर से 10 अक्टूबर से 14 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को तथा श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हृब्बल्लि जं. से 14 अक्टूबर से 18 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक मंगलवार को 06 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05543 मुजफ्फरपुर-श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हृब्बल्लि जं. साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी 10 अक्टूबर से 14 नवम्बर,2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को मुजफ्फरपुर से 12.45 बजे प्रस्थान कर मोतीपुर से 13.26 बजे, चक्रिया से 13.50 बजे, बापुधाम मोतिहारी से 14.20 बजे, सगौली से 14.45 बजे, बेतिया से 15.10 बजे, नरकटियागंज से 16.15 बजे, बगहा से 17.10 बजे, कप्तानगंज से 19.04 बजे, गोरखपुर से 20.45 बजे, गोंडा से 23.10 बजे, दूसरे दिन ऐशबाग से 02.55 बजे, कानपुर सेंट्रल से 05.55 बजे, उरई से 07.52 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झांसी से 11.15 बजे, बीना से 15.10 बजे, भोपाल से 17.15 बजे, इटारसी से 19.30 बजे, अमला से 22.17 बजे, तीसरे दिन नागपुर से 01.20 बजे, चंद्रपुर से 05.17 बजे, बल्हारशाह से 06.15 बजे, रामगुंडम से 09.20 बजे, काजीपेट से 11.30 बजे, काचीगुडा से 14.40 बजे, महबूबनगर से 16.35 बजे, डोन

शादी में डीजे बजाया तो काज़ी नहीं पढ़ाएंगे निकाह

सम्भल। शादी में डीजे बजाने पर मस्जिद कमेटी ने किया ऐलान नहीं पढ़ाएंगे मौलाना निकाह और मस्जिद कमेटी को दिया जाएगा 50000 का जुर्माना। थाना हजरत नगर गढ़ी क्षेत्र गांव धिमर खेड़ी में मस्जिद कमेटी के सदस्य व हाफिज इदरीस ने इस्लाम के नियम अनुसार शादी में डीजे ढोल ताशे बजने वाले लोगों को समझ कर कहा कि आपने अगर शादी में डीजे ढोल ताशे बजाए तो पूरी मस्जिद कमेटी के लोग उस व्यक्ति के यहां पर खाना खाने नहीं जाएंगे और मैं भी उस व्यक्ति का निकाह नहीं पढ़ाऊंगा। और कहा कि अगर जो शादी में डीजे ढोल ताशे का कोई प्रोग्राम तो मैं हाफिज इदरीश उस की शादी में निकाह नहीं पढ़ाऊंगा और जो हाफिज भी उस शादी का निकाह पढ़ने आएगा तो उससे इस्लाम के कानून के हिसाब से पूछा जाएगा कि क्या शादी में डीजे ढोल ताशे बजना जायज है। तो आप निकाह पड़ा सकते हैं। इस्लामी कानून के हिसाब से लिखा दिखाएं कोई भी शादी में बारात आती है। तो यहां पर डीजे ढोल ताशे का कोई भी प्रोग्राम नहीं किया जाएगा अगर किया जाता है तो गांव के मस्जिद कमेटी के लोग वहां पर खाना खाने नहीं जाएंगे और नहीं मस्जिद के इमाम हाफिज इदरीस खाना खाने जाएंगे इस बात को लगभग 6 महीने से लोगों तक पहुंचा जा रहा था और गांव के लोगों ने इस पर अमल भी किया है। अब आगे को देखना बाकी है। कि क्या जनता इस बात को फॉलो करेगी या नहीं और गांव की मस्जिद की कमेटी ने कहा कि जो व्यक्ति अगर शादी विवाह में ढोल ताशे डीजे बजाएगा तो उस पर मस्जिद कमेटी की तरफ है।

सड़क हादसे में घायल महिला की उपचार के दौरान मौत

पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम को भेजा



सम्भल। थाना नखासा क्षेत्र अंतर्गत बैंक से रुपए निकाल कर बाइक से घर लौट रहे पति पत्नी को तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार कर पति पत्नी को घायल कर दिया था। जिसमें पत्नी की हालत गंभीर होने पर तुरंत ही जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया बाइक से अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वह सम्भल हसनपुर रोड बायपास तिराहे पर पहुंचे ही थे।कि इसी बीच पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बाइक पर बैठे पति-पत्नी

जिला अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। कमलेश आयु 45 वर्ष पत्नी कमल सिंह निवासी ग्राम ठिल्लपुरा थाना नखासा जनपद सम्भल ग्राम खगुपुरा बैंक से 24 सितंबर समय लगभग 2.30 बजे खाते से रुपए निकाल कर बाइक से अपने घर जा रहे थे। जैसे ही वह सम्भल हसनपुर रोड बायपास तिराहे पर पहुंचे ही थे।कि इसी बीच पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें बाइक पर बैठे पति-पत्नी

दोनों घायल हो गए। और घर अवस्था में रोड पर गिर जाए। देखते ही देखते मौके पर काफी भीड़ एकत्र हो गई।इसी बीच तेज रफ्तार बाइक चालक ठिल्लपुरा थाना नखासा जनपद सम्भल जिला पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाने से उप निरीक्षक सोमपाल सिंह जिला अस्पताल पहुंचे और शव का पंचनामा भर कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा। मृतक के पति द्वारा थाने पर तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर प्राप्त होते ही मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। बच्चों के सर से उठा मां का साया। परिजन द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया है कि मृतक के चार बच्चे हैं जिससे की नकुल आयु 26 वर्ष,अमन 24 वर्ष,सुमित 22 वर्ष,खुशबू आयु 15 वर्ष है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

सम्पादकीय

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निमार्ता कंपनियों की अपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुप्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों का अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांतवना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांतवना तभी मिलेगी जब अपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा।विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के लिये कदम उठाए हैं। लेकिन प्रवर्तन के स्तर पर अभी भी तमाम खामियां बरकरार हैं। विडंबना यह है कि राज्य नियामकों के पास पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। साथ ही अकसर दंड के प्रावधान प्रभावी नहीं होते। यह एक कटु सत्य है कि भारत की फार्मा सफलता की कहानी केवल सस्ती जेनेरिक दवाइयों पर आधारित नहीं रह सकती। हमें इसे विश्वसनीय बनाने की जरूरत है। इसके लिए मजबूत ऑडिट, लापरवाही के लिए अपराधिक जिम्मेदारी तय हो और मामलों में पीडितों को तीव्र न्याय मिलना चाहिए। अन्यथा, ऐसी हर त्रासदी जन-विश्वास को कमजोर करती है- जो किसी भी दवा में सबसे महत्वपूर्ण घटक है।

यदि भारत वस्तुतः हिंदू राष्ट्र बन जाता है, तो इसका दलितों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

एसआर दारापुरी
भारत के वस्तुतः हिंदू राष्ट्र बनने की अवधारणाकृएक ऐसा राष्ट्र जहाँ शासन, कानून और समाज में हिंदू पहचान और मूल्यों को प्राथमिकता दी जाती हैकृराजनीतिक और सामाजिक विमर्श में एक काल्पनिक परिदृश्य बनी हुई है जिस पर बहस होती है। इसे अक्सर आरएसएस और भाजपा जैसे समूहों द्वारा प्रचारित हिंदू राष्ट्रवादी विचारधाराओं से जोड़ा जाता है, जो हिंदू धर्म के अंतर्गत सांस्कृतिक और धार्मिक एकता पर जोर देती हैं। दलित (अनुसूचित जातियों), जिन्हें पारंपरिक हिंदू धर्म में अंतर्निहित जाति व्यवस्था के तहत ऐतिहासिक रूप से गंभीर भेदभाव का सामना करना पड़ा है, बहुआयामी प्रभावों का अनुभव कर सकते हैं। विद्वानों, कार्यकर्ताओं और सार्वजनिक चर्चाओं के विश्लेषणों के आधार पर, प्रभाव मुख्यतः नकारात्मक होने की संभावना है, जो जातिगत पदानुक्रम को संभावित रूप से बढ़ा सकते हैं जबकि कुछ लोगों के लिए सीमित या सतही समावेशन प्रदान कर सकते हैं। नीचे, उपलब्ध दृष्टिकोणों के आधार पर, संतुलित तरीके से प्रमुख

संभावित प्रभावों की रूपरेखा प्रस्तुत किया जा रहा है। एक हिंदू राष्ट्र वर्ण व्यवस्था (जाति विभाजन) को राज्य की नीतियों में और गहराई से समाहित कर सकता है, दलितों को पारंपरिक हिंदू



ग्रंथों के नजरिए से देख सकता है, जिनमें ऐतिहासिक रूप से उन्हें बहिष्कृत या अछूत माना जाता रहा है। उच्च जातियों का प्रभुत्व बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक बहिष्कार में वृद्धि। दलितों को नए कलंक का सामना करना पड़ सकता है, अस्पृश्यता जैसी प्रथाएँ सूक्ष्म या प्रत्यक्ष रूपों में फिर से उभर सकती हैं, उन्हें तुच्छ नौकरियों तक सीमित कर सकती हैं और शिक्षा या संसाधनों तक उनकी पहुँच सीमित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ लोग तर्क देते हैं कि ब्राह्मण-नेतृत्व वाली विचारधाराएँ दलितों को फिर से अधीनस्थ भूमिकाओं में धकेल देंगी,

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शक्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं। संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते,

फिल्म का दुखद अंत सफलता का फार्मूला

फिल्मों का दुखद अंत दर्शकों को इसलिए पसंद आता है, क्योंकि ऐसा अंत उनकी भावनाओं को गहराई से छूता है। इनमें जीवन की सच्चाइयों का प्रामाणिक चित्रण जो दिखाई देता है। माना जाता है कि दुखद अंत दर्शकों को अपने जीवन की समस्याओं और भावनाओं से जोड़ता है। दुख झेलते किरदार से दर्शक सहानुभूति महसूस करते हैं। शोध बताते हैं, दुखद अंत देखने के बाद दर्शक अपने जीवन के सकारात्मक पहलू गंभीरता से महसूस करते हैं। फिल्म का सुखद अंत देखकर कई बार लगता है कि उनकी समस्याएं असामान्य हैं, जबकि दुखांत यथार्थ है। हिंदी फिल्मों के दर्शक की मानसिकता अनोखी है। उन्हें किस फिल्म की कहानी पसंद आएगी, इस बात का दावा कभी कोई नहीं कर सका। सामान्य धारणा है कि मनोरंजन के मूड से थिएटर आने वाला दर्शक चाहता है कि वो मुस्कुराता हुआ बाहर आए। यानी फिल्म का अंत सुखद हो। हीरो-हीरोइन का मिलन हो, खलनायक को पुलिस पकड़ ले, कोर्ट का फैसला हीरो के हक में हो और हीरो-हीरोइन जिस भी संकट से घिरे हों, वो आखिर में दूर हो जाए। जिन समस्याओं से दर्शक खुद जूझ रहा हो, वो नहीं चाहता कि उसका मनोरंजन भी वैसा ही हो। लेकिन, इसे अपवाद माना जाना चाहिए कि फिल्म इतिहास की ज्यादातर कालजयी फिल्मों का अंत दुखद ही रहा। प्रेम कथाओं पर मशहूर फिल्मों देवदास, मुगल-ए-आजम, प्यासा और लैला मजनूं में हीरो-हीरोइन का मिलन नहीं होता और दर्शक मायूस होता है। जबकि, अमिताभ-जया की मिली और राजेश खन्ना की आनंद के दुखांत की वजह लाइलाज रोग रहा। हाल ही में आई फिल्म सैयारा का अंत भी दुखद है। लेकिन, इसने सफलता का रिकॉर्ड बना दिया।

तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता

है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है। भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आान कर रहे हैं, उसका

यह फिल्म अधुरी मोहब्बत की कहानी है, जिसका क्लाइमेक्स दर्शकों को सालता है। ऐसी और भी कई फिल्में हैं, असफल प्रेम, जीवन संघर्ष या न्याय की तलाश जिनके प्रमुख विषय रहे। इन फिल्मों की कहानियों को जीवन की जटिलताओं से जोड़कर गढ़ा गया। ऐसी कहानियां दर्शकों की आंखें गीली कर देती हैं। देवदास (तीन बार बनी), दिल बेचारा, आशिकी-2, तेरे नाम और एक दूजे के लिए देखने के बाद दर्शक दुखी हुए, पर फिल्म हिट हुई। इन फिल्मों ने दर्शकों को अपनी भावनाएं खुलकर महसूस और व्यक्त करने का जरिया मुहैया कराया। दरअसल, ऐसे पलों में दर्शक खुद के जीवन की कद्र करना या अपनी तकलीफों को छोटा समझना सीखते हैं। दुखद अंत वाली फिल्में सफल होती हैं व यादगार भी बनती हैं। सवाल है कि दुखांत फिल्मों की सफलता का कारण क्या है ! इसका कोई एक या सीधा जवाब नहीं हो सकता। इसलिए कि मानवीय भावनाओं से गहरा जुड़ाव, यथार्थवाद और दर्शकों को झकझोर देने वाली कहानियां ज्यादा पसंद की जाती हैं। दरअसल दर्द, विरह और अपूर्ण प्रेम जैसी भावनाएं लगभग हर व्यक्ति महसूस करता है। जब कोई कहानी इन पहलुओं को पेश करती है, तो दर्शक उसमें खुद को महसूस करते हैं। असल में फिल्म का दुखद अंत तकलीफों है जिससे फिल्म और उसके पात्र जेहन में बैठ जाते हैं। ऐसी कहानियां अक्सर अमर और क्लासिक मानी जाती हैं। वे फिल्में जिनके क्लाइमेक्स ने दर्शकों को बेहद दुःखी किया और कई बार भावुक भी कर दिया। गंगा जमुना (1961) फिल्म दो भाइयों गंगा और जमुना की कहानी है, जो विद्रोह और बलिदान पर केंद्रित है। फिल्म का अंत जमुना की मौत से होता है। अमर प्रेम (1972) भी अत्यंत भावुक अंत के लिए जानी

इंसान की लालच ने मूक धरती को भी कहीं का नहीं छोड़ा है इंसानों की स्थायी गतिविधियों के कारण आज पृथ्वी पर उष्णता का गंभीर संकट मंडरा रहा है। धरती, जिसे हमने सदा मां का सम्मान दिया है, आज वही पृथ्वी माता अपनी ही संतानों के लोभ,लालच और स्पृहा से कराह कर,जख्मी हो कर तड़प रही है। औद्योगिकीकरण की अंधा-धुंध दौड़, प्रदूषण का भयानक विस्तारित स्वरूप, जंगलों की बेदर्द कटाई और धरती में उपलब्ध संसाधनों का अंधाधुंध दोहन इन सबने धरती का संतुलन बिगाड़ कर रख दिया है। नतीजा यह है कि कभी बुरसात बेकाबू होकर,लालच लाती है, तो कभी महीनों तक आसमान सूखा रहकर दररें छोड़ देता है। यही है आज का सबसे बड़ा संकट अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज और विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्टें बता रही हैं कि धरती को अपनाया है।एकहिंदूराष्ट्र भगवत्परायण-विरोधी कानूनों और अशक्त कर सकता है, इस पलायन मार्ग को प्रतिबंधित कर सकता है और आत्मसात करने के लिए मजबूर कर सकता है, जिससे और अधिक अशांति फैल सकती है।

मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की स्वदेशी अपनाओ और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की



'मार्केट क्रैश' से पहले करें यह काम...' , रिच डैड पुअर डैड के लेखक का वॉरेन बफे का नाम लेकर बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी) । बीते एक साल में सोने और चांदी की कीमतों में 50% से ज्यादा का उछाल आया है। सोने और चांदी में इस तेज उछाल के बाद रिच डैड पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने निवेशक वॉरेन बफेट का नाम लेकर बड़ा दावा किया है। बफेट कभी भी सोने में निवेश के बड़े समर्थक नहीं रहे हैं। अनुभवी निवेशक और रिच डैड, पुअर डैड के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने कहा है कि वॉरेन बफेट की ओर से हाल के दिनों में सोने और सोने और चांदी का समर्थन शेयर और बांड बाजारों की स्थिति के बारे में चिंता जाहिर करती है। कियोसाकी ने यह भी कहा कि निवेशकों को बर्कशायर हैथवे के संस्थापक का अनुसरण करना चाहिए और शेयर बाजार में गिरावट की आशंका को देखते हुए बिटकोइन, सोना और चांदी खरीदने पर विचार करना चाहिए। कियोसाकी लंबे समय से दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरंसी के समर्थक रहे हैं और बीटीसी को इसके डिजाइन के कारण 'पूरी तरह से प्रतिभाशाली' कहते हैं।

कंगना रनौत

की रैंप पर धमाकेदार एंट्री, फैन्स ने कहा-ओजी क्वीन वापस आ गई



बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत ने लंबे समय बाद रैंप वॉक कर अपनी खास छाप छोड़ी है। शुक्रवार, 3 अक्टूबर को डिजाइनर राहुल के ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन राब्बा बाय राहुल के लिए कंगना शोस्टॉपर बनीं और सोशल मीडिया पर उनके रैंप वॉक की वीडियो खूब वायरल हो रही है। फैन्स ने उन्हें ओजी रैंप क्वीन की उपाधि दी और उनकी तारीफों के पुल बांध दिए। इस खास मौके पर कंगना ने गोल्डन कढ़ाई वाली आइवरी साड़ी पहनी थी, जिसे उन्होंने एक परफेक्ट ब्लाउज के साथ कैरी किया। उनके लुक को और निखारा पन्ना और सोने के गहनों ने, जो उनके आउटफिट को एक रॉयल टच दे रहे थे। कंगना ने अपने बालों को फूलों से सजा रखा था और ट्रेडिशनल

एक्सेसरीज ने उनके पूरे लुक को परफेक्शन दिया। राब्बा बाय राहुल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर कंगना का रैंप वॉक वीडियो शेयर किया और उन्हें अपनी म्यूज बताया। वीडियो पर फैन्स की प्रतिक्रियाएं आग की तरह फैल गईं। एक यूजर ने लिखा, ओजी रैंप क्वीन!, तो किसी ने कहा, उनका रैंप वॉक बेमिसाल है, आप सच में क्वीन हो। कंगना रनौत ने पिछले कुछ वर्षों में कई मशहूर डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक किया है, लेकिन यह उनका रैंप पर एक लंबा ब्रेक के बाद वापसी थी। 2022 में, वह लैक्मे फैशन वीक में खादी इंडिया के लिए रैंप पर दिखाई थीं, जहां उन्होंने व्हाइट खादी जामदानी साड़ी और ओवरकोट पहना था।



इंडियाज गॉट टैलेंट के साथ शुरू होगा एंटरटेनमेंट का नया सफर

स्टेज और लाइट्स तैयार हैं, दर्शकों के बीच उत्साह अपने चरम पर है, क्योंकि इंडियाज गॉट टैलेंट आज रात 9.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी स्ट पर प्रीमियर हो रहा है। बता दें कि इसे भारत का सबसे बड़ा नॉन-फिक्शन शो माना जाता है। ऐसे में इस सीजन में आपको अजब टैलेंट्स और उनके गजब परफॉर्मेंस देखने को मिलने वाले हैं, जैसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। इस साल के शानदार जजों के पैनल में नवजोत सिंह सिद्धू, मलाइका अरोड़ा और शान जैसी सबसे अनोखी और जोशीली तिकड़ी है। सिद्धू की जबरदस्त शायरी हर परफॉर्मेंस के जादू को पकड़ती है और मलाइका और शान के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री इस सीजन के एंटरटेनमेंट लेवल को आसमान

तक ले जाने वाली है। लेकिन असली स्टार्स हैं परफॉर्मेंस कृ पूरे देश के अजब टैलेंट्स जिन्होंने समाज द्वारा किए गए शक के बावजूद अपने शौक को आगे बढ़ाया है। उनके कभी न देखे गए एक्ट्स इस सीजन के नारे जो अजब हैं, वो गजब हैं को पूरी तरह से पेश करते हैं। अलग चीजों को यादगार बनाते हुए! नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, मैं ऐसे टैलेंट्स को देखने के लिए बहुत खुश हूं जो अलग, क्विंटिव और हिम्मत वाले हैं। ये टैलेंट्स न सिर्फ देश को हैरान करेंगे बल्कि दूसरों को भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेंगे। इंडियाज गॉट टैलेंट आज रात 9.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लाइव पर

तेरे इश्क में का टीजर रिलीज होते ही छाया, फैन्स बोले, यह है सिनेमा की ताकत



सुपरस्टार धनुष और कृति सैनन की आने वाली फिल्म तेरे इश्क में का टीजर रिलीज होते ही इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। टीजर ने कुछ ही घंटों में यूट्यूब पर 25,000 से अधिक कमेंट्स बटोर लिए और हिंदी भाषा में नंबर 1 पर ट्रेंड करने लगा। फैन्स इसे प्योर सिनेमा और मास्टरपीस इन द मेकिंग बता रहे हैं, जिससे यह साल के सबसे चर्चित टीजरों में से एक बन गया है।

निर्देशक आनंद एल. राय की इस फिल्म में धनुष एक बार फिर अपने पसंदीदा अंदाज गहराई से भरे रोमांस में लौटते नजर आ रहे हैं। दो मिनट के टीजर में प्रेम, पीड़ा और जुनून का ऐसा संगम दिखता है, जिसने दर्शकों को बावुक कर दिया

है। खासकर धनुष के डायलॉग्स ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। टीजर की शुरुआत होती है कृति सैनन के किरदार की हल्दी सेरेमनी से, जहां खुशियां और संगीत का माहौल है। लेकिन जल्द ही माहौल बदलता है जब धनुष घायल अवस्था में एंट्री करते हैं और कृति से आंखें मिलती हैं एक पल जो पूरी कहानी कह देता है।

अपने बाप को जलाने गया था बनारस सोचा तेरे लिए गंगाजल लेता आऊं नई जिंदगी शुरू कर रही है, पुराने पाप तो धो ले। शंकर करे तेरा बेटा हो इश्क में जो मर जाते हैं, वो भी किसी के बेटे होते हैं। फैन्स ने धनुष की दमदार अदाकारी, राय की खूबसूरत विजुअल स्टोरीटेलिंग

और कृति की प्रभावशाली मौजूदगी की जमकर तारीफ की है। टीजर हिंदी समेत कई भाषाओं में ट्रेंड कर रहा है और कई दर्शकों ने फिल्म को 2025 की कल्ट क्लासिक इन द मेकिंग तक कह दिया है जबकि ट्रेलर अभी आना बाकी है। गुलशन कुमार, टी-सीरीज और कलर येलो प्रोडक्शन्स प्रस्तुत करते हैं तेरे इश्क में। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और कहानी हिमांशु शर्मा व नीरज यादव ने लिखी है। संगीत ए. आर. रहमान का है और गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। धनुष और कृति सैनन अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल में विश्वभर में रिलीज की जाएगी।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की रोमांचक लव स्टोरी, जानिए कैसे शुरू हुआ सफर

तेलुगु सिनेमा के सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ी रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के बीच रिश्ते की बातें इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। मीडिया और फैन्स में सगाई के कयास तेज हो गए हैं। कहा जा रहा है कि 3 अक्टूबर 2025 को हैदराबाद में एक निजी समारोह में दोनों ने अपने रिश्ते को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। हालांकि, दोनों ने अभी तक इस खबर को आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है। इसी बीच, हम लेकर आए हैं इस जोड़ी की लव स्टोरी की पूरी टाइमलाइन, जो है रोमांचक और दिल छू लेने वाली। रश्मिका और विजय की कहानी 2017 में फिल्म गीता गोविंदम के सेट पर शुरू हुई थी। उस वक्त रश्मिका अपनी पहले की सगाई टूटने के बाद काफी भावनात्मक दौर से गुजर रही थीं। विजय के साथ उनकी केमिस्ट्री ने फैन्स का ध्यान खींचा और जल्द ही ये जोड़ी ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों ही जगह खूब पसंद की जाने लगी। फिल्म की सफलता ने इनके बीच की बॉन्डिंग को और मजबूत किया। 2019 में दोनों फिर से डियर कॉमेड फिल्म में साथ नजर आए, जहां उनकी केमिस्ट्री ने और भी जादू कर दिया। इस दौरान, मीडिया



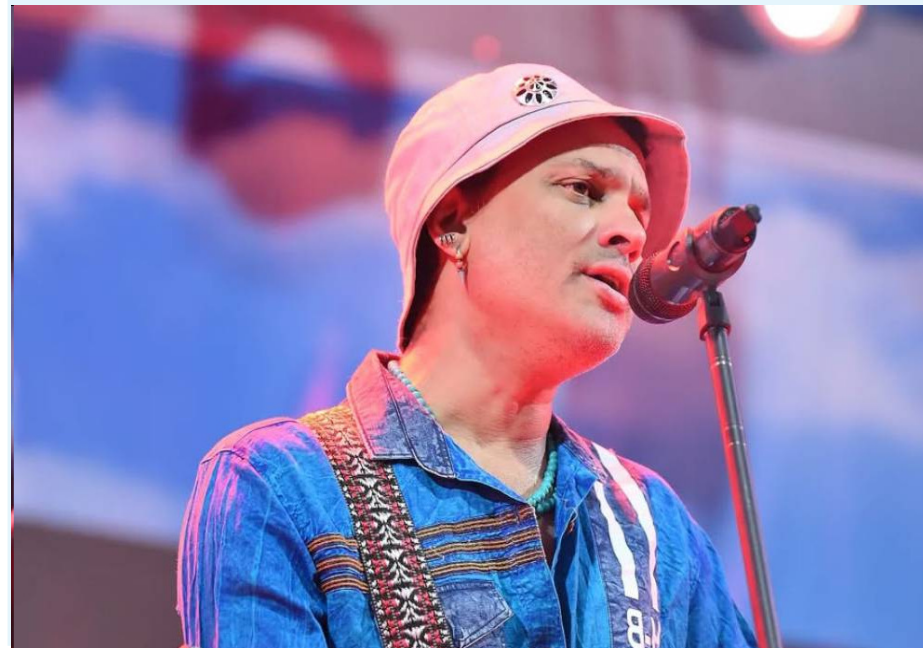
और फैन्स के बीच डेटिंग की चर्चाएं तेज हो गईं। सेट पर और बाहर कई बार इन्हें साथ देखा गया, जिससे इन अटकलों को बल मिला। 2020 से 2022 के बीच, दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया, लेकिन उनकी हरकतों और पोस्ट इस बात का सबूत थीं कि ये प्यार

छुपा नहीं रहा। अलग-अलग जगहों पर एक साथ वेशेकन मनाना, फैन्स के लिए रिश्ते की पुष्टि जैसी थी। साथ ही, विजय के फैमिली फंक्शंस में रश्मिका की उपस्थिति ने रिश्ते को और मजबूती दी। 2023 में, दोनों की सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ी और इंटरव्यू के दौरान रिश्ते के संकेत मिलने लगे। खास बात

तब हुई जब रश्मिका ने एक टीवी शो में अपने को-स्टार रणबीर कपूर के सामने विजय को फोन किया। इस नाजुक पल ने फैन्स के दिलों को पिघला दिया। इसके बाद, 2025 में दोनों ने ओमान में रश्मिका का जन्मदिन साथ मनाया, जिससे रिश्ता और भी स्पष्ट हो गया। अक्टूबर 2025 में

खबर आई कि दोनों ने हैदराबाद में एक गुप्त समारोह में सगाई कर ली है। यह फंक्शन बेहद निजी और सादगी से सम्पन्न हुआ, जिसके कोई आधिकारिक तस्वीरें सामने नहीं आईं। इंडस्ट्री सूत्रों की मानें तो ये कपल फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंधने वाला है।

जुबीन गर्ग को दिया गया जहर? सिंगर के बैंडमेट का चौंकाने वाला दावा



असम के लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की मौत की गुथी अब और भी उलझती दिखाई दे रही है। 19 सितंबर को सिंगापुर में स्कूबा डाइविंग के दौरान हुई उनकी मौत ने सभी को स्तब्ध कर दिया था। हाल ही में उनके बैंडमेट और गवाह शेखर ज्योति गोस्वामी ने इस मामले में नया खुलासा किया है, जिसमें उन्होंने गायक के मैनेजर और फेस्ट ऑर्गनाइजर पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

एसआईटी जांच में नया मोड़ जुबीन गर्ग की मौत की जांच के लिए असम पुलिस ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी ने इस मामले में पहले ही कुल 12 लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस भेजे थे। इस प्रक्रिया में गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा और फेस्ट ऑर्गनाइजर श्यामकानु महंत को गिरफ्तार किया गया। दोनों को गुवाहाटी कोर्ट में पेश करने के बाद 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया। जुबीन गर्ग जी की मौत पर गहरे सवाल खड़े होते हैं, जिनके जवाब मिलना बेहद जरूरी है।

2022 में सर पर चोट लगने के बाद से उन्हें पानी और आग

दोनों का फोबिया हो गया था। वह लगातार दवाइयों ले रहे थे। उनके करीबी सिद्धार्थ, जो 2014 से उनके साथ रह रहे हैं, इस सच्चाई को अच्छे से जानते थे। बैंडमेट ने लगाए गंभीर आरोप एसआईटी की पूछताछ में जुबीन के बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी ने दावा किया कि जुबीन गर्ग को उनके मैनेजर और फेस्ट ऑर्गनाइजर ने जहर दिया था। गोस्वामी ने बताया कि जब गायक डूब रहे थे, तो उनके मुंह और नाक से झाग निकल रहे थे, लेकिन उन्हें तुरंत अस्पताल नहीं ले जाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि जुबीन को स्विमिंग बहुत अच्छी तरह से आती थी, इसलिए उनकी मौत घटने से नहीं हो सकती। मौत की तारीख और घटना जुबीन गर्ग का निधन 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में हुआ। वह एक इवेंट में परफॉर्म करने गए थे। इस इवेंट से पहले उन्होंने स्कूबा डाइविंग की थी, और इसी दौरान कथित रूप से डूबने की घटना हुई। सिंगापुर से खबर आने के बाद उनके प्रशंसकों में शोक की लहर दौड़ गई। यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल है।

एक पुलिस ऑफिसर ड्यूटी भी कर रहा है और अपने चहते कलाकार को अंतिम विदाई भी दे रहा है। फैन्स में चिंता, सोशल मीडिया पर उठे सवाल जुबीन गर्ग के फैन्स इस खबर से हैरान हैं और सोशल मीडिया पर लगातार उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रहे हैं। ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर रुश्रनेजपबमथ्वर्तनइमपद ट्रेंड करने लगा है। जुबीन गर्ग का अंतिम संस्कार 23 सितंबर 2025 को उनके गृह जिला गुवाहाटी, असम के पास कमरकुची गांव में किया गया। इस दौरान उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी गई। उनके प्रशंसकों और परिवारजन ने इस मौके पर गायक को श्रद्धांजलि अर्पित की। अब एसआईटी की जांच इस आरोप पर केंद्रित असम पुलिस अब शेखर ज्योति गोस्वामी के आरोपों की गहन जांच कर रही है। एसआईटी इस बात की पुष्टि करने की कोशिश कर रही है कि क्या वास्तव में जुबीन गर्ग को किसी ने जहर दिया था या उनकी मौत स्कूबा डाइविंग की दुर्घटना के कारण हुई।

नीरव मोदी को सता रहा भारत प्रत्यर्पण के बाद यातनाओं का झर

कोर्ट में याचिका दाखिल कर लगाई यह गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरव मोदी ने अपने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने के लिए वेस्टमिंस्टर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अपनी याचिका में नीरव मोदी ने दलील दी है कि यदि उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया गया तो विभिन्न एजेंसियां उनसे पूछताछ करेंगी। इस कारण उन्हें यातनाएं दी जा सकती हैं।

लंदन की एक अदालत 23 नवंबर को भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी की उस याचिका पर सुनवाई करेगी। पीएनबी घोटाळे के आरोप मोदी ने अपने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने की मांग की है। नीरव मोदी ने इस आधार पर याचिका दायर की है

कि अगर उसे भारत वापस लाया गया तो एजेंसियों की ओर से उससे पूछताछ की जा सकती है। उसने अदालत से इस आशंका को देखते हुए मामले को फिर से खोलकर उस पर सुनवाई करने को कहा है। नीरव मोदी सुप्रीम कोर्ट तक अपनी सभी कानूनी अपीलें दायर कर चुके हैं। अब उन्होंने प्रत्यर्पण के मुकदमे को फिर से खोलने के लिए वेस्टमिंस्टर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अपनी याचिका में नीरव मोदी ने दलील दी है कि यदि उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया गया तो विभिन्न एजेंसियां उनसे पूछताछ करेंगी। इस कारण उन्हें यातनाएं दी जा सकती हैं। जानकारों के अनुसार इस इस मामले

में जांच कर रही एजेंसियां अदालत को अपना पुराना आश्वासन दोहरा सकती



हैं कि प्रत्यर्पित किए जाने पर मोदी पर भारतीय कानूनों के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा और एजेंसियों की ओर से उससे कोई पूछताछ नहीं की जाएगी।

घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने कहा, रहमने मामले

में आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। अभी उनसे पूछताछ की जरूरत नहीं है। हमारी जांच लगभग पूरी हो चुकी है। उन्हें मुकदमे का सामना करना होगा।

अगर ब्रिटेन की अदालत हमसे कहती है, तो हम अपना आश्वासन दोहरा सकते हैं कि अगर उन्हें भारत प्रत्यर्पित किया जाता है, तो उनसे कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। हमने पहले भी ऐसा आश्वासन दिया है। नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक से धोखाधड़ी से जारी सैकड़ों लेटर ऑफ अंडरटेकिंग्स के जरिए 6,498 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हड़पने का आरोप है। उनके खिलाफ मामले पर काम कर रही सभी जांच एजेंसियां इस बात पर एकमत हैं कि उनसे पूछताछ की जरूरत नहीं है। भारत ने पहले ही ब्रिटेन को बता दिया है कि मोदी को मुंबई के आर्थर रोड जेल की बैरक 12 में रखा जाएगा। वहां

किसी भी तरह की हिंसा, भीड़भाड़, दुर्व्यवहार का कोई खतरा नहीं है और वहां चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध है। एजेंसियों ने ब्रिटेन को आश्वासन दिया है कि उन पर भारतीय कानूनों के अनुसार मुकदमा चलाया जाएगा और कोई नया आरोप नहीं लगाया जाएगा। कभी भारतीय आभूषण उद्योग की जानी-मानी हस्ती रहे 54 वर्षीय हीरा व्यापारी नीरव मोदी को 19 मार्च, 2019 को प्रत्यर्पण वारंट पर गिरफ्तार किया गया था। उस दौरान ब्रिटेन की गृह सचिव प्रीति पटेल ने अप्रैल 2021 में उसके प्रत्यर्पण का आदेश दिया था। वह लगभग छह साल से लंदन की जेल में है।

सुरक्षा बलों को मिली बड़ी सफलता, वरिष्ठ कमांडर समेत 10 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में असम राइफल्स ने एक प्रतिबंधित संगठन के वरिष्ठ कमांडर सहित 10 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। अर्धसैनिक बल ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। असम राइफल्स ने बताया कि यह गिरफ्तारी एक अक्टूबर को चुराचांदपुर के जंगलों में चलाए



गए अभियान के दौरान की गई। अर्धसैनिक बल की ओर से जारी बयान में कहा गया असम राइफल्स ने एक अक्टूबर को 'ऑपरेशन साॅन्गाकोट' के तहत यूनाइटेड कु की नेशनल आर्मी के वरिष्ठ कमांडर जामखोिंग गुइते लुफो उर्फ पेप्सी को गिरफ्तार किया। इसके अलावा नौ अन्य उग्रवादियों को भी इस अभियान में पकड़ा गया। असम राइफल्स ने कहा, यह सफल अभियान चुराचांदपुर और जिरिबाम में यूकेएनए के नेटवर्क के लिए एक बड़ा झटका है और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा के प्रति असम राइफल्स की प्रतिबद्धता को दोहराता है। मणिपुर के अधिकारियों के अनुसार यूकेएनए कमांडर पर जनवरी 2024 में बिष्णुपुर जिले में मीठाई समुदाय के चार लोगों (एक पिता-पुत्र सहित) की हत्या में शामिल होने का आरोप है। मई 2023 से मणिपुर में मीठाई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं।

ईरान ने दी छह कैदियों को फांसी

इस्त्राइल के लिए हमले का आरोप, मानवाधिकार समूहों ने जताई चिंता

ईरान (एजेंसी)। ईरान ने शनिवार को छह कैदियों को फांसी दे दी, जिन पर आरोप है कि उन्होंने इस्त्राइल की ओर



से देश के तेल समृद्ध दक्षिण-पश्चिम में हमले किए थे। मानवाधिकार कार्यकर्ता चेतावनी देते हैं कि ईरान अक्सर अपने मृत्युदंड के मामलों में, खासकर इस्त्राइल से जुड़े मामलों में, जबरन लिए गए बयान

और बंद कमरे में सुनवाई का सहारा लेता है। ईरान ने शनिवार को छह कैदियों को मौत की सजा दी। इन पर आरोप था

कि उन्होंने देश के तेल-समृद्ध दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में इस्त्राइल के लिए हमले किए। ये कैदी इस साल के बड़े हुए फांसी के मामलों में शामिल हैं, जिसे दशकों में सबसे अधिक माना जा रहा है। ये फांसी

जून में 12 दिनों तक चले ईरान-इस्त्राइल युद्ध के बाद दी गई हैं, जिसमें तेहरान ने अपने दुश्मनों को देश में और बाहर निशाना बनाने की चेतावनी दी थी। हालांकि, मानवाधिकार कार्यकर्ता चेतावनी देते हैं कि ईरान अक्सर अपने मृत्युदंड के मामलों में, खासकर इस्त्राइल से जुड़े मामलों में, जबरन लिए गए बयान और बंद कमरे में सुनवाई का सहारा लेता है। ईरान ने पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा बलों की हत्या का लगाया आरोप ईरान ने कहा कि इन लोगों ने पुलिस अधिकारियों और सुरक्षा बलों की हत्या की और ईरान के अशांत खुजस्तान प्रांत के खोर्मेशाहर के आसपास के ठिकानों को निशाना बनाकर बम विस्फोटों की योजना

बनाई। उनके नाम तुरंत पहचाने नहीं जा सके और ईरानी सरकारी टेलीविजन ने हमलों के बारे में बात करते हुए एक व्यक्ति का फुटेज प्रसारित किया, जिसमें कहा गया कि यह पहली बार है जब विवरण सार्वजनिक किए जा रहे हैं। खुजस्तान करती आ रही भेदभाव की शिकायत खुजस्तान की अरब आबादी लंबे समय से ईरान की केंद्र सरकार द्वारा भेदभाव की शिकायत करती रही है, और विद्रोही समूहों ने निम्न-स्तरीय विद्रोह के तहत वहां तेल पाइपलाइनों पर हमले किए हैं। हाल के वर्षों में देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों की लहरों ने ईरान के अन्य हिस्सों की तरह इस क्षेत्र को भी प्रभावित किया है। ईरान लंबे समय से मौत की सजा देता आ रहा ईरान ने

शनिवार को एक अन्य कैदी को मौत की सजा दे दी, जिस पर 2009 में ईरान के कुर्दिस्तान प्रांत में अन्य अपराधों के अलावा एक सुन्नी धर्मगुरु की हत्या का आरोप था। विरोध प्रदर्शनों और जून के युद्ध के जवाब में, ईरान 1988 के बाद से तेजी से कैदियों को मौत की सजा दे रहा है, जब ईरान-इराक युद्ध के अंत में उसने हजारों लोगों को मौत की सजा दी थी। संयुक्त राष्ट्र ने की ईरान की आलोचना ओस्लो स्थित समूह ईरानून मन राइट्स और वाशिंगटन स्थित अबुर्दुहमान बोरीमद सेंटर फॉर मन राइट्स इन ईरान ने अनुमान लगाया है कि 2025 में फांसी दिए जाने वाले लोगों की संख्या 1,000 से अधिक होगी।

टोक्यो (एजेंसी)। ताकाइची एक मजबूत सेना, सैन्य खर्च बढ़ाने, परमाणु संलयन को बढ़ावा देने, साइबर सुरक्षा और आब्रजन पर सख्त नीति की



समर्थक हैं। ताकाइची शाही परिवार में केवल पुरुषों के उत्तराधिकार की समर्थक हैं, वे समलैंगिक विवाह का विरोध करती हैं। जापान की सत्तारूढ़ पार्टी ने शनिवार को पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची को अपना नया नेता चुन लिया, जिसके साथ ही उनके देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। ताकाइची ने

सत्ताधारी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा कराए गए अंतर-दलीय मतदान में कृषि मंत्री शिजिरो कोइजुमी को हराया, जो पूर्व प्रधानमंत्री जुनिचिरो कोइजुमी के बेटे हैं। एक मजबूत सेना की समर्थक हैं ताकाइची साने ताकाइची की छवि एक अति-रूढ़िवादी नेता की है। 64 वर्षीय साने ताकाइची, पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर की प्रशंसक हैं और जापान के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के रूढ़िवादी दृष्टिकोण की समर्थक मानी जाती हैं। लिबरल डेमोक्रेट्स पार्टी एक पुरुष प्रधान पार्टी है और ताकाइची इस पार्टी की पहली महिला अध्यक्ष हैं। ताकाइची साल 1993 में पहली बार अपने गृहनागर नारा से सांसद चुनी गईं थीं। उन्होंने आर्थिक सुरक्षा, आंतरिक मामलों और लैंगिक समानता मंत्री सहित

कई अहम सरकारी पदों पर काम किया है। ताकाइची एक मजबूत सेना, सैन्य खर्च बढ़ाने, परमाणु संलयन को बढ़ावा देने, साइबर सुरक्षा और आब्रजन पर सख्त नीति की समर्थक हैं। ताकाइची शाही परिवार में केवल पुरुषों के उत्तराधिकार की समर्थक हैं, वे समलैंगिक विवाह का विरोध करती हैं और 19वीं सदी के नागरिक कानून में संशोधन का विरोध करती हैं। साने ताकाइची ने इन नेताओं को पछड़ा जापान में अतृष्ण के मध्य में संसदीय मतदान होने की उम्मीद है। संसदीय मतदान में ताकाइची अगर पीएम चुन ली जाती हैं तो वे शिमेरु इशिबा की जगह लेंगी, जिन्होंने सितंबर में पीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। दरअसल जुलाई में जापानी संसद के उच्च सदन में सत्ताधारी एलडीपी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद पार्टी में इशिबा का विरोध बढ़ गया और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

भीषण सड़क दुर्घटना में नागपुर के कारोबारी और उसकी पत्नी की मौत, बेटी की हालत गंभीर

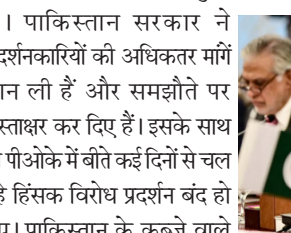
रोम (एजेंसी)। इटली के ग्रोसेटो में शुक्रवार सुबह हुई सड़क दुर्घटना में दो भारतीयों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक वैन और नौ सीट वाली मिनीबस में टकरा गई। हादसे में बच्चों सहित पांच लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इटली में भारतीय



दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि मृतक नागपुर के भारतीय नागरिक थे। इतालवी समाचार एजेंसी एएनएसए की खबर के अनुसार, यह दुर्घटना ग्रोसेटो में ऑरिलिया राजमार्ग पर उस समय हुई जब एशियाई पर्यटकों को ले जा रही एक वैन और एक मिनी बस के बीच टक्कर हो गई। इस घटना में बच्चों सहित पांच लोग घायल भी हुए हैं। अग्निशमन दल और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों ने घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया। इटली स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि वह पीड़ितों के परिवारों और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। दूतावास ने कहा, हम परिवार को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। दूतावास ने एक्स पर पोस्ट कर ग्रोसेटो के निकट हुई दुर्घटना में नागपुर (महाराष्ट्र) के दो भारतीय नागरिकों की मृत्यु पर संवेदना व्यक्त की और परिवार के घायल सदस्यों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

पीओके में झुकी पाकिस्तान सरकार, प्रदर्शनकारियों की अधिकतर मांगें मानी; समझौते पर किए हस्ताक्षर

मुजफ्फरबाद (एजेंसी)। पीओके में प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार को झुका दिया है। पाकिस्तान सरकार ने



प्रदर्शनकारियों की अधिकतर मांगें मान ली हैं और समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके साथ ही पीओके में बीते कई दिनों से चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शन बंद हो गए। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बीते कई दिनों से हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे थे, जिनमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हुए। प्रदर्शनकारियों के आगे झुकी पाकिस्तान सरकार शनिवार को पाकिस्तान की संघीय सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच विरोध प्रदर्शनों को समाप्त करने के लिए एक समझौते

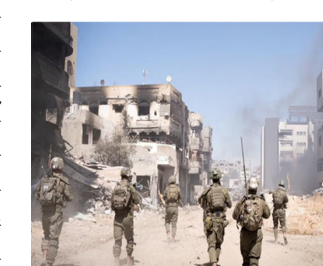
पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत पाकिस्तान सरकार ने प्रदर्शनकारियों की कई मांगें मान ली हैं। पीओके में बिगड़ते हैं। उन्होंने लिखा कि 'प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएसी) के साथ अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। प्रदर्शनकारी अपने घरों को लौट गए हैं। सभी सड़कें फिर से खोल दी गई हैं। यह शांति की जीत है।' प्रदर्शनकारियों की ये मांगें मानी गईं विरोध प्रदर्शन समाप्त करने के लिए 25 बिंदुओं वाले एक समझौता दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें पाकिस्तान सरकार हिंसा में मारे गए लोगों के लिए मुआवजा देगी, हिंसा की घटनाओं के लिए आतंकवाद के मामले दर्ज किए जाएंगे, जिनमें प्रदर्शनकारी मारे गए।

हालात को देखते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत के लिए एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल को मुजफ्फरबाद भेजा। पूर्व प्रधानमंत्री राजा परवेज अशरफ के नेतृत्व में इस प्रतिनिधिमंडल ने लगातार दो दिनों तक गहन चर्चा की, जो बीती रात को समाप्त

हुई। संसदीय कार्य मंत्री तारिक फजल चौधरी ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है। उन्होंने लिखा कि 'प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेकेजेएसी) के साथ अंतिम समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। प्रदर्शनकारी अपने घरों को लौट गए हैं। सभी सड़कें फिर से खोल दी गई हैं। यह शांति की जीत है।' प्रदर्शनकारियों की ये मांगें मानी गईं विरोध प्रदर्शन समाप्त करने के लिए 25 बिंदुओं वाले एक समझौता दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें पाकिस्तान सरकार हिंसा में मारे गए लोगों के लिए मुआवजा देगी, हिंसा की घटनाओं के लिए आतंकवाद के मामले दर्ज किए जाएंगे, जिनमें प्रदर्शनकारी मारे गए।

ट्रंप की अपील दरकिनार कर गाजा पर इस्त्राइल का हमला; 6 मरे, हमास ने कहा- हम समझौते पर बातचीत को तैयार

लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि एक हमले में गाजा शहर के एक घर



में चार लोग मारे गए, जबकि दूसरे हमले में दक्षिण में खान युनिस में दो अन्य लोग मारे गए। हमास ने पहले संकेत दिया था कि उसने प्रस्तावित योजना के कुछ तत्वों को स्वीकार कर लिया है। इसका

मकसद को रोकना और 7 अक्टूबर 2023 के हमले के दौरान पकड़े गए सभी शेष बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करना है। बंधकों के घर लौटने का इंतजार: डोनाल्ड ट्रंप दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा संघर्ष को खत्म करने के लिए उनके शांति प्रस्ताव के समर्थन के लिए विश्व नेताओं को धन्यवाद दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि वे बंधकों को घर लौटते हुए देखने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि ट्रंप ने यह भी स्वीकार किया कि कुछ (बंधकों) की हालत

गंभीर हो सकती है। व्हाइट हाउस की ओर से शनिवार को साझा किए गए एक वीडियो संदेश में, ट्रंप ने शांति समझौते को सुनिश्चित करने में मदद के लिए कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिश्र और जॉर्डन जैसे देशों के प्रति आभार जताया। ट्रंप ने कहा कि कहा कि इसे संभव बनाने के लिए कई लोगों ने बहुत मेहनत की है और यह एक महत्वपूर्ण दिन है। इस्त्राइली सेने ने कहा- वह ट्रम्प की योजना के पहले चरण की तैयारी को आगे बढ़ाएगी इस्त्राइली सेना ने शनिवार को कहा कि वह गाजा में युद्ध समाप्त करने और शेष सभी बंधकों को वापस करने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रम्प की योजना के पहले चरण की तैयारी को आगे बढ़ाएगी। यह बात हमास द्वारा समझौते के कुछ हिस्सों को स्वीकार करने की बात कहने के बाद कही गई है, जबकि अन्य पर अभी भी बातचीत की आवश्यकता है। सेना ने कहा कि उसे इजराइली नेताओं ने योजना के क्रियायक के लिए अग्रिम तैयारी करने का निर्देश दिया है। एक अधिकारी, जिसे मीडिया से बात करने का अधिकार नहीं था, ने कहा कि इजराइल गाजा में केवल रक्षात्मक स्थिति में आ गया है और सक्रिय रूप से हमला नहीं करेगा। अधिकारी ने कहा कि पट्टी से कोई भी सेना नहीं हटाई गई

है। ट्रंप ने अपने बयान में इन देशों का जतावा आभार अपने वीडियो संदेश में ट्रंप ने कहा, मैं उन देशों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने इसे एक साथ लाने में मेरी मदद की - कतर, तुर्की, सऊदी अरब, मिश्र, जॉर्डन और कई अन्य। इतने सारे लोगों ने बहुत कड़ा संघर्ष किया। यह एक बड़ा दिन है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि शांति समझौता निकट है। कई देश मध्य पूर्व में युद्ध समाप्त करने व शांति स्थापित करने के लिए एकजुट हैं। ट्रंप ने कहा, रमैं बंधकों के अपने माता-पिता के पास घर लौटने का इंतजार कर रहा हूँ। रुडोल्फ से, आप जानते हैं कि कुछ बंधक किस हालत में हैं।

पाकिस्तानी आतंकी ने यूएस में छिपे गैंगस्टर 'पासिया' के साथ मिलकर रची साजिश

निशाने पर पूर्व पुलिस अफसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान, जहां से भारत में लगातार आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। पंजाब में कई बड़ी वारदातों को अंजाम देने वाले बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकवादी संगठन, मौजूदा समय में भी इसके सदस्य पाकिस्तान से अपना नेटवर्क चला रहे हैं। पाकिस्तान में बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ

'रिंदा' ने अमेरिका स्थित गैंगस्टर हैप्पी पासिया के साथ मिलकर पंजाब में एक पूर्व पुलिस अधिकारी को मारने की साजिश रची थी। राष्ट्रप्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने चंडीगढ़ सेक्टर 10 ग्रेनेड हमले के एक मुख्य आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है। इसमें कई अहम खुलासे हुए हैं। इस हमले के मास्टरमाइंड विदेशी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादी थे।

पंजाब निवासी अभिजोत सिंह उर्फ बब्बा उर्फ गोपी को इस साल अप्रैल



में हुए हमले में शामिल होने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसने अपने साथियों के साथ

मिलकर पंजाब पुलिस के एक सेवानिवृत्त अधिकारी को निशाना बनाया था। इसके पीछे आतंकीयों का मकसद समाज में भय फैलाना था। एनआईए के अनुसार, इस साजिश में पाकिस्तान स्थित बीकेआई आतंकवादी हरविंदर सिंह उर्फ रिंदा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। उसे ही इस हमले का मास्टरमाइंड कहा जाता है। इसके लिए रिंदा ने

अमेरिका स्थित गैंगस्टर हैप्पी पासिया के साथ मिलकर प्लान तैयार किया। पासिया को भारत में आतंकवादियों की भर्ती करना, धन जुटाना और उन्हें हथियार व विस्फोटक मूहैया कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रिंदा और पासिया, दोनों को चार्जशीट में भगोड़े घोषित किया गया था। पिछले साल उक्त चार्जशीट में दो गिरफ्तार आरोपी रोहमन मसीह और विशाल मसीह भी शामिल थे।